हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 34 | लखनऊ शनिवार 29 अगस्त 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

ममता बोलीं- बीजेपी ने चुनाव 'हाईजैक' किया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने चुनाव 'हाईजैक' करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया। वोटर लिस्ट से लाखों नाम गैर-कानूनी तरीके से हटाकर 'वोट लूटने' के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया गया। ममता ने आगे कहा- भाजपा बंगाल में बांटने वाली राजनीति कर रही है और डर फैलाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है।

तृणमूल छात्र परिषद का आज स्थापना दिवस है। ममता सहित पार्टी के सीनियर नेताओं ने कोलकाता में एक इवेंट में छात्रों को संबोधित किया। भाजपा सरकार में पुलिस का खराब रवैया: टीएमसी के शासन में पुलिस का मानवीय चेहरा था, लेकिन बीजेपी ने पुलिस को राक्षसी संस्था में बदल दिया। ममता ने कहा कि वह अपने समर्थकों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती रोकेंगी। उन्होंने कहा कि यह रक्षाबंधन पर उनका संकल्प है। बंगाल में भाजपा की विभाजनकारी नीति: ममता ने बीजेपी पर बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने और पुलिस के जरिए लोगों में डर फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पूरे राज्य का दौरा शुरू करेंगी और अगर उनकी सभाओं की अनुमति नहीं मिली तो सड़कों पर उतरकर लोगों के बीच जाएंगी। मैं देखूंगी कि उनके पास कितने अंडे और ईंटें जमा हैं। अतिक्रमण को लेकर सरकार पर निशाना: फुटपाथों से हॉकरों को हटाने पर उन्हें आपत्ति नहीं है, लेकिन उनको दूसरी जगह देनी चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं कर सकती तो उन्हें हर महीने 25 हजार रुपये मुआवजा देना चाहिए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गईं एमपी की इंजीनियर लापता

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा की रहने वाली और कनाडा के टोरंटो में रह रहीं इंजीनियर स्वाती बागरेचा कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान चीन-तिब्बत सीमा के पास से लापता हो गई हैं। 26 अगस्त की सुबह 9 बजे परिवार से संपर्क टूट गया। स्वाती के मोबाइल पर अभी भी रिंग जा रही है, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर रही हैं। परिवार का कहना- नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई बाढ़ के दिन से ही लापता है। मोबाइल की लोकेशन चीन बॉर्डर के आसपास आ रही है। परिजन ने संबंधित एजेंसियों से मोबाइल लोकेशन तकनीकी रूप से ट्रैक कर स्वाती की सही स्थिति का पता लगाने की मांग की है। स्वाती रिटायर्ड सीएमएचओ डॉ. केसी बागरेचा की बेटी हैं। उनके लापता होने की जानकारी मिलने के बाद विदिशा विधायक मुकेश टंडन शुक्रवार को उनके परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजन से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और स्वाती की तलाश में हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। परिजनों के अनुसार, स्वाती 8 अगस्त को सद्गुरु फाउंडेशन/ईशा फाउंडेशन के 77 यात्रियों के समूह के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकली थीं। करीब दो सप्ताह की यात्रा के दौरान वह 14 अगस्त को काठमांडू पहुंचीं और वहां दो दिन रुकीं। इसके बाद समूह चीन के क्षेत्र में दाखिल हुआ। अलग-अलग पड़ावों से होते हुए मानसरोवर पहुंचा। समूह ने मानसरोवर में दो दिन प्रवास किया। स्वाती ने मानसरोवर की परिक्रमा नहीं की थी। परिजन के मुताबिक, वापसी के दौरान यात्रियों का समूह कई स्थानों पर रुका। यात्रा का अंतिम पड़ाव सागर टाउन बताया गया है। इससे करीब 100 किलोमीटर दूर समूह मेडिटेशन के लिए पहुंचा था। इसी दौरान बुधवार सुबह करीब 9 बजे चीन-तिब्बत बॉर्डर के पास स्वाती के बारे में आखिरी जानकारी परिवार को मिली।

बच्चियों ने योगी को राखी बांधी, ऑटोग्राफ लिया

जेल में बहनों को देखकर रोने लगे भाई, मां ने पोछे आंसू; बसों में खिड़की से चढ़े लोग

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। लखनऊ में रक्षाबंधन पर बच्चियों ने सीएम योगी आदित्यनाथ को राखी बांधी। उनका ऑटोग्राफ लिया। राखी बंधवाने के बाद योगी ने सभी बच्चियों को चॉकलेट, शगुन के लिफाफे और तोहफे में एक-एक बैग दिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत भी की।

सीएम आवास आईं संस्कृति स्कूल की छात्रा श्रेयसी सिंह ने पूछा कि सोशल मीडिया के इस दौर में खुद को फोकस्ड कैसे रखें? इस पर योगी ने जवाब दिया- मेरे जैसा व्यक्ति मोबाइल का इस्तेमाल कम से कम करता है। बहुत जरूरी हुआ, तो बमुश्किल आधा घंटा ही मोबाइल देखता हूं। मैं प्रदेश के सभी बच्चों से कहूंगा कि मोबाइल फोन पर अनावश्यक समय बर्बाद करने के बजाय किताबें पढ़ना शुरू करें। इधर, लखनऊ, मथुरा, अयोध्या, बलरामपुर और श्रावस्ती समेत प्रदेश भर की जेलों में बंद भाइयों को राखी बांधने उनकी बहनें पहुंचीं। लखनऊ जेल प्रशासन ने बहनों के लिए कोल्ड ड्रिंक की व्यवस्था की थी। वहीं, श्रावस्ती में बहनों को देखकर बंदी भाई रोने लगे। एक बंदी की मां ने अपने आंचल से उसके आंसू पोछे। उधर, बाजारों में मिठाई और राखी की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। बसों और ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ के चलते यात्रियों को अंदर दाखिल होने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। हालत यह रहे कि लोगों ने खिड़कियों के रास्ते बच्चों को अंदर बैठाया। कई लोग खड़े-खड़े सफर करने को मजबूर रहे। सहारनपुर में रक्षाबंधन के मौके पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद अपनी मुंहबोली बहन पूजा भाटिया से राखी बंधवाने पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी साइमा मसूद भी मौजूद रहीं। पूजा भाटिया ने सांसद इमरान मसूद और उनकी पत्नी साइमा मसूद को राखी बांधी। आजमगढ़ में हुए सड़क हादसे में घायल 32 लोगों का मंडलीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें 20 से ज्यादा महिलाएं और बच्चियां शामिल हैं। रक्षाबंधन के मौके पर अस्पताल में भर्ती इन बहनों को अपने भाइयों की कमी महसूस न हो, इसके लिए डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने उनसे राखी बंधवाई। दोनों अधिकारियों ने भाई का फर्ज निभाते हुए बहनों को कपड़े और लिफाफे भी दिए। अखिलेश रक्षाबंधन पर अपने परिवार के साथ सैफई पहुंचे। पार्टी कार्यालय पर सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं और सैफई की महिलाओं और बच्चियों से राखी बंधवाई। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. राम गोपाल यादव ने भी महिला कार्यकर्ताओं से राखी बंधवाई। अखिलेश ने राखी बांधने वाली महिलाओं को 1100- 1100 रुपए लिफाफे में दिए।

बदमाश सिपाही को पत्थर मारता रहा, फिर भी नहीं छोड़ा

लखनऊ। लखनऊ में रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने जा रही महिला से बदमाश ने चेन लूट ली। वहां ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक सिपाही ने चेन लूटकर भाग रहे बदमाश को पकड़ लिया। आरोपी ने सिपाही की नाक पर ईंट से दो बार वार किया। नाक से खून निकलने के बाद भी सिपाही ने उसे नहीं छोड़ा। घायल सिपाही ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना शुक्रवार दोपहर 12:13 बजे मड़ियांव इलाके की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। महिला ने घायल सिपाही को राखी बांधी। उनसे कहा- आपने बड़े भाई का फर्ज निभाते हुए इस बहन को बचा लिया। मड़ियांव में शुक्रवार दोपहर महिला रुबी कश्यप अपने भाई को राखी बांधने जा रही थी। तभी मड़ियांव ढाल के पास एक बदमाश दौड़ता हुआ आया। उसने रूबी के गले से चेन खींच ली और भागने लगा। वहां ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक सिपाहियों ने ये देखते ही बदमाश का पीछा शुरू कर दिया। ट्रैफिक सिपाही नवीन चौधरी ने दौड़ाकर आरोपी को पकड़ लिया। भागने की कोशिश में आरोपी ने पास में पड़ी ईंट उठाकर नवीन की नाक पर दो बार मारी। चोट लगते ही नवीन की नाक से खून निकलने लगा। बदमाश के हमले से घायल होने के बावजूद नवीन चौधरी ने आरोपी को पकड़े रखा। कुछ ही देर में सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले आई मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया- आरोपी के खिलाफ चेन स्नैचिंग समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। घायल सिपाही को इलाज के लिए हिम सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त विमान का टायर फटा

दिल्ली से आए सभी 35 यात्री सुरक्षित; हादसे की वजह से प्रयागराज की फ्लाइट कैंसिल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। शुक्रवार दोपहर अलायंस एयर की फ्लाइट जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची तभी यह हादसा हुआ। विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। विमान में सवार सभी 35 यात्री सुरक्षित हैं। इसी फ्लाइट को बिलासपुर से प्रयागराज जाना था, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसे कैंसिल कर दिया है। हालांकि, इसकी अधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, रनवे पर लैंडिंग के बाद विमान दौड़ रहा था, तभी टायर फटने की आवाज सुनकर यात्री दहशत में आ गए। हालांकि, पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया। एयरपोर्ट पर मौजूद स्टाफ तुरंत एक्टिव हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की इंटरनेशनल फ्लाइट को पिछले महीने 27 जुलाई को गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। उड़ान के दौरान पायलटों को विमान के निचले कार्गो होल्ड में धुआं होने का अलर्ट मिला। इसके बाद क्रू ने तुरंत इमरजेंसी घोषित की। पायलटों ने राजकोट अळउ से प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अळउ ने विमान को सुरक्षित उतारने के लिए जरूरी व्यवस्था की। एहतियात के तौर पर रनवे के पास फायर टेंडर और मेडिकल टीमों को तैनात किया गया था। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को अलर्ट रखने के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। थाइलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट 4 अगस्त को अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। घटना ओडिशा के झारसुगुड़ा के पास हुई, जब एयरबस अ320 करीब 36,220 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। हालांकि, बाद में फ्लाइट की दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग हुई। घटना में 17 यात्री घायल हुए थे।

तिब्बत में फिर झील फटी, नेपाल में गांव खाली कराए : सेना ने लोगों से सुरक्षित जगह पर जाने को कहा; अब तक 552 मौतें, 1500 लापता

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बनी एक और झील फट गई है। यह झील चोचेन नदी और पुरेपु सांगपो नदी के संगम के पास बनी थी। चीन ने इसके फटने की आशंका एक दिन पहले ही जताई थी। झील फटने के बाद पानी का स्तर बढ़ने लगा है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के पास के कई गांव खाली कराए गए हैं। लोगों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर जाने को कहा गया है।

इस बीच चीन ने भी तिब्बत में राहत और बचाव अभियान रोक दिया है और लेवल-4 अलर्ट जारी किया है। दोबारा बाढ़ आने के खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बाढ़ और भूस्खलन से दोनों देशों में अब तक 552 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1500 से ज्यादा लोग लापता हैं। इनमें करीब 178 भारतीय भी शामिल हैं। लापता लोगों में 537 विदेशी नागरिक, 45 नेपाली सेना के जवान और 41 नेपाल पुलिसकर्मी शामिल हैं। नेपाल सरकार के मुताबिक, रेस्क्यू और राहत अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मी लगाए गए हैं। इनमें 7,250 नेपाल पुलिस, 4,200 नेपाली सेना और 1,845 आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान शामिल हैं। सरकार के अनुसार, अब तक 3,253 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

भारतीय पब्लिशर ने सोनिया की किताब छापने से मना किया

पेंगुइन इंडिया ड्राफ्ट में बदलाव कराना चाहता था, लेखक राजी नहीं हुए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की संस्मरण किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव को लेकर विवाद की खबरों के बीच पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सफाई दी है। पेंगुइन ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत में इस किताब को पब्लिश नहीं करेगी। यह कहना सही नहीं है कि लेखक के संपादकीय बदलावों से इनकार करने के बाद उसने किताब प्रकाशित करने से हाथ खींच लिया है।

इससे पहले द इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट दी थी कि पेंगुइन ने एक हिस्से में कुछ एडिटोरियल बदलाव और हिस्से हटाने की मांग की थी, लेकिन लेखकों ने इस मांग को ठुकरा दिया था। किताब को पहले 10 नवंबर को प्रकाशित किया जाना था। इसमें सोनिया अपने राजनीतिक सफर और 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले से जुड़े अनुभव साझा करेंगी। विवाद के बाद पेंगुइन ने शुक्रवार को बयान जारी किया। इसमें कहा, वह बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव की प्रकाशक नहीं है। यह कहना सही नहीं है कि लेखक ने संपादकीय बदलावों से इनकार करने के कारण पेंगुइन ने प्रकाशित नहीं करने का फैसला किया। लेखक के साथ हुई संबंधित चर्चाओं के दौरान पेंगुइन की स्थिति यही थी कि हम किताब को प्रकाशित करने के लिए इच्छुक और तैयार थे। सुझाव देना प्रक्रिया का हिस्सा है। लेखिका के साथ गोपनीय चर्चाओं पर हम आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। पहले किताब के अमेरिकी पब्लिशर नॉफ ने कहा था कि किताब की पहली प्रिंट रन 1 लाख प्रतियों की होगी। द इंडियन एक्सप्रेस ने नॉफ और सोनिया गांधी के एजेंट डेविड गॉडविन से सवाल भेजकर प्रतिक्रिया मांगी, लेकिन दोनों ने टिप्पणी नहीं दी। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के सीईओ गौरव श्रीनागेश से सोनिया गांधी की पांडुलिपि में मांगे गए बदलाव और हिस्से हटाने के बारे में पूछा गया था। वे भी टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। इस साल की शुरूआत में पीआरएचआई ने बयान जारी कर कहा था कि उसने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की संस्मरण किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को प्रिंट नहीं किया है। हालांकि, राहुल गांधी ने संसद में इस किताब की हार्ड कॉपी दिखाई थी। मीडिया में नरवणे की किताब के कुछ हिस्से भी प्रकाशित हुए थे। इनमें गलवान में भारत-चीन झड़पों और अग्निपथ योजना पर नरवणे का विवरण शामिल था। सोनिया गांधी इससे पहले दूसरी किताबें लिख और एडिट कर चुकी हैं। हालांकि, इस किताब पर काम कर चुके लोगों के मुताबिक, यह उनकी जिंदगी का सबसे निजी और सबसे विस्तृत लेखा-जोखा है। नॉफ की रिलीज में सोनिया गांधी का बयान भी छपा था।

बिहार के 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

50 हजार से ज्यादा घर डूबे; उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, हिमाचल में 70 सड़कें बंद

नई दिल्ली। बिहार के खगड़िया और चंपारण समेत 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं, नेपाल में आई बाढ़ से बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट है। गंगा और गंडक खतरे के निशान से ऊपर हैं। कोसी और बागमती नदियां भी उफान पर हैं। यहां 50 हजार से ज्यादा घर पानी में डूबे हैं।

उत्तराखंड के 11 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, गुरुवार को चमोली में लैंडस्लाइड से बद्रीनाथ हाईवे कुछ देर के लिए बाधित हुआ। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 31 अगस्त से 2 सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। लैंडस्लाइड्स और भारी बारिश के चलते राज्य में 70 सड़कें बंद हैं। यूपी में मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। महोबा में भारी बारिश के बाद स्थानीय नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे छोटे पुल जलमग्न हो गए। काली पहाड़ी गांव के पास एक इंजीनियर तेज बहाव में बह गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने ओडिशा के 19 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें 28 अगस्त को कई स्थानों पर गरज और बिजली के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है। क्योंझर और मयूरभंज को भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट पर रखा गया है। यह चेतावनी तब आई है जब उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके प्रभाव में, 29 अगस्त को पश्चिम बंगाल-उत्तर ओडिशा तट के साथ एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे पूरे राज्य में और अधिक बारिश होगी।

भारतीय सेना अमेरिकी जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल खरीदेगी

सेकेंड्स में दुश्मन के टैंक तबाह होंगे; दागते ही टारगेट को खुद ढूंढ लेगी

नई दिल्ली। भारतीय सेना अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रही है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को बताया कि, इसे खरीदने के लिए भारतीय सेना की ओर से लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस पर साइन कर दिए गए हैं। जैवलिन एक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम है। इसे सैनिक कंधे से लॉन्च कर सकते हैं और यह बख्तरबंद वाहनों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है।

एक बार दागने के बाद मिसाइल खुद ही थर्मल टेंपरेचर से टारगेट को ढूंढ लेती है और उसे हिट करती है। भारत कितने जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है और इस सौदे की कुल कीमत कितनी है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जेवलिन की सबसे खास तकनीक फायर एंड फॉरगेट है। यानी लॉन्च से पहले सिस्टम लक्ष्य को पहचानकर उस पर लॉक करता है और मिसाइल दागे जाने के बाद उसे ऑपरेटर को लगातार नियंत्रित करने की जरूरत नहीं होती। मिसाइल खुद लक्ष्य तक पहुंचती है। इसमें इन्फ्रारेड सीकर लगा होता है, जिससे यह दिन-रात और अलग-अलग मौसम में लक्ष्य को ट्रैक कर सकती है। जेवलिन टॉप-अटैक मोड में लक्ष्य के ऊपर से हमला कर सकती है, जहां टैंक का कवच आमतौर पर अपेक्षाकृत कमजोर होता है। जरूरत के मुताबिक यह डायरेक्ट-अटैक भी कर सकती है।

संपादकीय

न्यूयॉर्क में भागवत के कार्यक्रम पर घमासान, भारतीय मूल के अमेरिकियों की वैचारिक दरार आई सामने

न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद अब केवल एक आयोजन के समर्थन और विरोध तक सीमित नहीं रह गया है। यह मामला अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच विचारधारात्मक मतभेद, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति के अधिकार और भारत की छवि को लेकर चल रही बहस का बड़ा प्रतीक बन गया है। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कार्यक्रम का समर्थन करने से इनकार किया है, लेकिन साथ ही यह भी माना है कि किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार संभवतः शहर के पास नहीं है। इस बयान ने विवाद को और गहरा कर दिया है, क्योंकि अब सवाल यह है कि लोकतंत्र में किसी विचार से असहमति और उस विचार को सार्वजनिक मंच मिलने के अधिकार के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। मोहन भागवत अमेरिकी दौरे पर पहुंच चुके हैं और संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका के अलावा कनाडा और ब्रिटेन में भी कार्यक्रमों में भाग लेने वाले हैं। न्यूयॉर्क में प्रस्तावित ह्यायूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशनह्व का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एगेजमेंट एंड डायलॉग कर रहा है। कार्यक्रम में करीब पांच हजार लोगों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है। आयोजक इसे भारतीय अमेरिकी समुदाय के सांस्कृतिक जुड़ाव, संवाद और एकता का अवसर बता रहे हैं, जबकि इसके विरोधी आरएसएस की विचारधारा और भारत में अल्पसंख्यकों से जुड़े सवालों को सामने रख रहे हैं। विवाद को नई धार तब मिली जब अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अमेरिकी सरकार से भागवत का वीजा रद्द करने और आरएसएस से जुड़े लोगों तथा कथित धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार भारतीय अधिकारियों पर लक्षित प्रतिबंध लगाने की मांग की। भारत सरकार और आरएसएस पहले भी ऐसे आरोपों को पक्षपातपूर्ण बताते रहे हैं। आरएसएस स्वयं को सांस्कृतिक संगठन बताते हुए हिंदू समाज को संगठित करने और सामाजिक सेवा की बात करता है। इसलिए अमेरिकी आयोग की टिप्पणी ने एक स्थानीय कार्यक्रम को भारत अमेरिका संबंधों और धार्मिक स्वतंत्रता की बहस से भी जोड़ दिया है।

इसी बीच कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले संगठन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग का सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' खाता निलंबित होने की खबर सामने आई है। यह घटनाक्रम कार्यक्रम से कुछ ही दिन पहले हुआ है और निलंबन का स्पष्ट कारण सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। इससे कार्यक्रम के प्रचार और डिजिटल संपर्क को लेकर भी सवाल उठे हैं। हालांकि, केवल किसी खाते के निलंबन को कार्यक्रम के विरुद्ध किसी सरकारी कार्रवाई के रूप में देखना उचित नहीं होगा, जब तक उसका कारण स्पष्ट न हो। उधर, हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए सुरक्षा संबंधी सलाह जारी की है। लोगों से सतर्क रहने, टकराव से बचने और संयम बनाए रखने की अपील की गई है। दूसरी ओर हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और कुछ अंतरधार्मिक तथा नागरिक अधिकार संगठनों ने कार्यक्रम के विरोध की आवाज बुलंद की है। इसका अर्थ साफ है कि 29 अगस्त का आयोजन केवल भाषण का कार्यक्रम नहीं रह गया है, बल्कि उसके आसपास राजनीतिक और सामाजिक तनाव की आशंका भी बढ़ गई है। इस पूरे घटनाक्रम में जोहरान ममदानी की स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। वह स्वयं भारतीय मूल के हैं और न्यूयॉर्क के पहले भारतीय अमेरिकी मेयर के रूप में उनकी पहचान इस विवाद को अतिरिक्त संवेदनशील बनाती है। उन्होंने आरएसएस की विचारधारा को लेकर अपनी असहमति स्पष्ट की है और कहा है कि वह उस रैली का समर्थन नहीं करते। लेकिन इसके साथ उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि निजी कार्यक्रम को रद्द करने के लिए शहर के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न मौजूद है। यही लोकतंत्र की असली परीक्षा है।

~ मौलिक चिंतन ~

न्याय भगवान की मनमानी से नहीं, हमारे कर्मों के विधान से मिलता है।

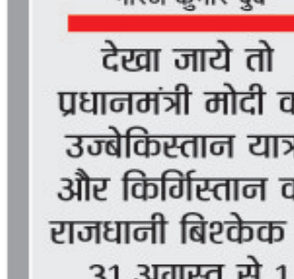

© विनय संकोची

नेपाल जलप्रलय को समझें प्रकृति की चेतावनी

डॉ. हिदायत अहमद खान

नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा ने भारत को भी झकझोर कर रख दिया है। इस आपदा में जहां 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, वहीं 133 भारतीयों समेत हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा भी बना हुआ है। इस विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को एक बार फिर पूरी भयावहता के साथ रेखांकित कर दिया है। तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आए फ्लैश फ्लड ने देखते ही देखते बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को निगल लिया। यह आपदा उस खतरे की गंभीर चेतावनी को दर्शाती है जो हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते पर्यावरण, बढ़ती मानवीय गतिविधियां और अपर्याप्त आपदा तैयारी के कारण बढ़ रहा है। इस त्रासदी का सबसे मार्मिक पक्ष यह है कि बड़ी संख्या में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए श्रद्धालुओं से लेकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों के पर्यटकों तक, अनेक परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी सकुशल होंगे और बहुत जल्द अपने-अपने घरों को लौअ आएंगे। संचार व्यवस्था ठप होने के कारण लापता लोगों का पता लगाना और भी कठिन हो गया है। संकट की इस घड़ी में सीमापार आपदा के लिए पहले से तैयार एक साझा तंत्र की जरूरत महसूस हो रही है। नेपाल की इस आपदा का एक महत्वपूर्ण पहलू इसकी अचानक आई बाढ़ है। अधिकारियों ने भूकंप के बाद बाढ़ आने और हिमनद या प्राकृतिक जल अवरोध टूटने की आशंका जताई है। यदि यह आशंका सही साबित होती है, तो यह घटना हिमालयी पारिस्थितिकी में हो रहे बदलावों को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। हालांकि, किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार ठहराने से पहले वैज्ञानिक जांच आवश्यक है। एक तरफ भूविज्ञानी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर लंबे समय से दुनियां के तमाम शक्तिशाली देशों को चेताते चले आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि प्राकृतिक घटनाओं को रोकना संभव नहीं है। यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं के विनाशकारी प्रभाव को कम करना निश्चित रूप से संभव है। इसके लिए सीमाओं से परे जाकर अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। फिलहाल तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या नेपाल और उसके पड़ोसी देश ऐसी आपदाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं? पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं विकास की आवश्यकता हैं, लेकिन विकास और पर्यावरणीय सुरक्षा के बीच संतुलन न हो तो यही ढांचा आपदा के समय जोखिम बढ़ा सकता है। नेपाल में नौ बैंक शाखाओं के बह जाने और बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों के संपर्क से बाहर होने की जानकारी बताती है कि आपदा का प्रभाव केवल आम आबादी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक ढांचा भी इसकी चपेट में आता है।

भारत के लिए भी यह घटना महज पड़ोसी देश की त्रासदी नहीं है। नेपाल की नदियां भारत में प्रवेश करने के बाद गंडक और अन्य नदी प्रणालियों का हिस्सा बनती हैं। इस बार नेपाल से आया तेज बहाव बिहार तक पहुंचा और वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर दबाव बढ़ा। बराज के सभी 36 गेट खोले गए। राहत की बात यह रही कि नारायणी नदी के विस्तृत बहाव क्षेत्र में पानी फैलने से बिहार में बड़े पैमाने पर बाढ़ का खतरा फिलहाल टल गया। लेकिन इस राहत को स्थायी सुरक्षा समझना भूल होगी। दरअसल, नेपाल और भारत के बीच नदियां सीमाओं को नहीं मानतीं। इसलिए बाढ़, भूस्खलन, ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दोनों देशों को रियल टाइम सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। यदि किसी नदी के ऊपरी हिस्से में अचानक जलस्तर बढ़ता है, तो निचले इलाकों को समय रहते चेतावनी मिलनी चाहिए। चेतावनी और राहत के बीच जितना अधिक समय मिलेगा, उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं। इस आपदा ने संचार व्यवस्था की कमजोरी को भी उजागर किया है। पहाड़ी इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और बिजली व्यवस्था के ठप होने के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह बन जाती है कि किसे बचाया जाए और कहां लोग फंसे हैं। इसलिए आपदा प्रबंधन की योजनाओं में वैकल्पिक संचार व्यवस्था, स्थानीय बचाव दल, सामुदायिक प्रशिक्षण और आपातकालीन आश्रय स्थलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भारत ने नेपाल के साथ एकजुटता दिखाई है और राहत सामग्री भेजी है। यह मानवीय सहयोग दोनों देशों के संबंधों की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मगर असली परीक्षा आपदा समाप्त होने के बाद शुरू होती है। पुनर्वास, क्षतिग्रस्त ढांचे का पुनर्निर्माण और भविष्य के जोखिम को कम करना कहीं अधिक कठिन और लंबी प्रक्रिया है। नेपाल का जलप्रलय हमें यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि हिमालय केवल प्राकृतिक सौंदर्य का क्षेत्र नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र भी है। विकास जरूरी है, पर्यटन जरूरी है और ऊर्जा परियोजनाएं भी जरूरी हैं, लेकिन इनके लिए प्रकृति की सीमाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुल, सड़क और परियोजना के साथ यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आपदा की स्थिति में उसका जोखिम कितना है। प्रकृति को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

उपहारों में नहीं, रिश्तों के अनमोल विश्वास में है राखी का मोल

योगेश कुमार गोयल

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन...

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मयार्दा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में ह्यगुरु महापूर्णिमाह्व, दक्षिण भारत में ह्यनारियल पूर्णिमाह्व तथा नेपाल में इसे ह्यजनेऊ पूर्णिमाह्व के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निदेशों पर नहीं चलती।

भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में। इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।

बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताई। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोजमर्रा की जिंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, ' जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं। कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ। अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

रक्षाबंधन पर अखिलेश यादव को राखी बांधने पहुंचीं सैकड़ों महिलाएं, बोले-माता-बहनों की सुरक्षा और सम्मान में नहीं होगी कोई चूक

लखनऊ,। रक्षाबंधन पर्व के पूर्व दिवस पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सैकड़ों महिलाएं अपने 'प्रिय भैया जी' अखिलेश यादव के हाथों में राखी बांधने के लिए पहुंचीं। महिलाओं ने रक्षाबंधन की खुशियां साझा करते हुए अखिलेश यादव की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अखिलेश यादव ने भी सभी महिलाओं का सम्मान करते हुए उन्हें रक्षाबंधन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि दुनिया में भारत ही ऐसा देश है, जहां रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व में बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है और भाई उसकी रक्षा का संकल्प लेता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व नहीं है, बल्कि यह महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति समाज की जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। समाजवादी पार्टी का संकल्प है कि भविष्य में माता-बहनों की सुरक्षा और सम्मान में किसी प्रकार की चूक नहीं होगी।अखिलेश यादव ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आधी आबादी की खुशहाली और सम्मान के लिए समाजवादी सरकार बनने पर महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में महिलाओं को स्त्री सम्मान समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 40 हजार रुपये की धनराशि दिए जाने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान का पूरा ख्याल रखा जाएगा तथा उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए प्रभावी योजनाएं लागू की जाएंगी।सपा अध्यक्ष ने भाजपा पर महिलाओं के प्रति ईमानदार नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने के बाद से लगातार महिलाओं को धोखा देती रही है और अब नारी वंदन का ढोंग रच रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को केवल राजनीतिक नारों और दिखावे तक सीमित रखने के बजाय उनके सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए ठोस कार्य किए जाने की आवश्यकता है।रक्षाबंधन के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं भी अखिलेश यादव को पर्व की बधाई देने पहुंचीं। उन्होंने राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास के इस पर्व को मनाया। महिलाओं की बड़ी मौजूदगी ने कार्यक्रम को विशेष रूप से भावनात्मक और आत्मीय बना दिया।इस दौरान पूर्व सांसद कनकलता सिंह, पूर्व एमएलसी कांति सिंह, स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की पुत्री मीना तिवारी, महिला समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर, महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रुक्मिणी देवी, जो पूर्व सांसद फूलन देवी की बहन हैं, किन्नर सभा की प्रदेश अध्यक्ष पायल सिंह तथा अंजली मसीह सहित पार्टी की महिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहीं। सभी ने पर्व की खुशियां साझा करते हुए अखिलेश यादव को मिठाई खिलाई और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।समाजवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान भाई-बहन के स्नेह, सामाजिक सौहार्द और महिला सम्मान का संदेश प्रमुखता से सामने आया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और रक्षाबंधन का पर्व इस संकल्प को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

वाहन स्क्रैपिंग में उत्तर प्रदेश देश में नंबर-1, देशभर में स्क्रैप हुए वाहनों में यूपी की हिस्सेदारी 48.5 प्रतिशत

लखनऊ । पुराने, अनफिट और प्रदूषणकारी वाहनों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से स्क्रैप करने के मामले में उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि वाहन स्क्रैपिंग नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में नंबर-1 है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाना नहीं, बल्कि स्वच्छ परिवहन, सड़क सुरक्षा, वैज्ञानिक पुनर्चक्रण और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।परिवहन विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई 2026 तक देशभर में कुल 4,07,520 वाहन स्क्रैप किए जा चुके हैं। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश में 1,97,735 वाहन स्क्रैप हुए हैं। इस तरह देशभर में स्क्रैप किए गए कुल वाहनों में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 48.5 प्रतिशत है। यह आंकड़ा बताता है कि देश में पुराने और अनफिट वाहनों को हटाने के अभियान को गति देने में उत्तर प्रदेश की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण हो गई है।परिवहन मंत्री ने कहा कि वाहन स्क्रैपिंग नीति में प्रदेश का नंबर-1 प्रदर्शन प्रभावी सरकारी नीति, मजबूत आधारभूत ढांचे और जनता की बढ़ती भागीदारी का परिणाम है। सरकार का लक्ष्य पुराने एवं अनफिट वाहनों को सड़कों से हटाकर उत्तर प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था वाला राज्य बनाना है। वाहन स्क्रैपिंग की वैज्ञानिक व्यवस्था से पुराने वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के साथ उनके उपयोगी हिस्सों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण को भी बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में वाहन स्क्रैपिंग केंद्र के लिए 92 पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र मौजूद हैं। इनमें से 51 केंद्र वर्तमान में संचालित हैं। इस प्रकार लाइसेंस प्राप्त केंद्रों में करीब 55.4 प्रतिशत केंद्र सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। सरकार द्वारा इन केंद्रों के माध्यम से वाहन मालिकों को अपने उपयोग की अवधि पूरी कर चुके वाहनों को अनधिकृत कबाड़ बाजार में देने के बजाय पंजीकृत एवं विनियमित सुविधा में स्क्रैप कराने का सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है।परिवहन मंत्री ने कहा कि वाहन स्क्रैप कराने से वाहन मालिकों को आर्थिक लाभ भी मिलता है। पुराने वाहन को अधिकृत केंद्र पर जमा कराने के बाद प्राप्त सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट के आधार पर नया वाहन खरीदने पर पात्र वाहन मालिकों को सड़क कर में छूट का लाभ दिया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार गैर-परिवहन वाहनों पर सड़क कर में 15 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान है। परिवहन वाहनों पर सड़क कर में 10 प्रतिशत तक की छूट दी जाती है, जो अधिकतम आठ वर्ष तक के कर लाभ की सीमा के अधीन है।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुराने ट्रक अथवा बस को स्क्रैप कर नया वाहन खरीदने पर पात्र मामलों में 10 वर्ष की अवधि के लिए सड़क कर में 100 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है। इससे पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाने तथा नए और अपेक्षाकृत स्वच्छ वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहन मिलेगा।परिवहन मंत्री ने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं के साथ गुणवत्ता और पारदर्शिता पर भी विशेष ध्यान दे रही है। पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्रों में निर्धारित नियमों और मानकों के अनुरूप स्क्रैपिंग सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा निरीक्षण एवं निगरानी की जा रही है।

किसान पथ सर्विस रोड पर वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

चालक-परिचालक हिरासत में

लखनऊ । बीकेटी थाना क्षेत्र में इंदौराबाग मोड़ के पास किसान पथ सर्विस रोड पर सड़क पार कर रहे एक व्यक्ति की वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बीकेटी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वाहन को कब्जे में लेकर चालक और परिचालक को हिरासत में ले लिया है।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अनिल पुत्र संतलाल, निवासी ग्राम शेरपुरा, थाना महमूदाबाद, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। अनिल मड़ियांव क्षेत्र में काम करने के बाद अपने घर वापस जा रहे थे। इसी दौरान उनकी अपने भतीजे अंकित से मोबाइल फोन पर बातचीत हुई। बातचीत के दौरान दोनों ने इंदौराबाग मोड़ पर मिलने और वहां से साथ घर जाने की बात तय की थी।बताया गया कि अनिल इंदौराबाग मोड़ पर पहुंचने के बाद सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान किसान पथ सर्विस रोड की ओर से आ रहे वाहन संख्या जेके22सी5907 की चपेट में आ गए। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े।हादसे की जानकारी मिलते ही थाना बीकेटी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने आमजन की सहायता से घायल अनिल को उपचार के लिए रामसागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय, बीकेटी, लखनऊ पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन जम्मू-कश्मीर से कोलकाता की ओर जा रहा था। पुलिस ने वाहन के चालक और परिचालक दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों और घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। परिजनों से तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले में नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

महापौर ने सैन्य अधिकारियों को बांधी राखी, राष्ट्रसेवा के प्रति जताया सम्मान और कृतज्ञता

लखनऊ । रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया मुख्यालय पहुंचकर जीओसी मेजर जनरल मनीष कुकरेती एवं अन्य सैन्य अधिकारियों को राखी बांधी और उनके साथ आत्मीयता से रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा में तैनात सैन्य अधिकारियों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की।इस अवसर पर पूर्व कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद चरनजीत गांधी, पार्षद गौरी सांवरिया, रीता राय, रश्मि सिंह, रेखा सिंह तथा पूर्व पार्षद कैंट एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष रंजिता शर्मा भी उपस्थित रहीं। सभी ने सैन्य अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान माहौल भावुक और आत्मीय रहा। महापौर ने कहा कि भारतीय सेना के जवान और अधिकारी अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं। ऐसे वीर सैनिकों के साथ रक्षाबंधन मनाना उनके लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले सैन्यकर्मियों के साहस, त्याग और समर्पण के कारण ही देशवासी स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं।उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पवित्र धागा केवल भाई-बहन के रिश्ते का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों और देशवासियों के बीच विश्वास, सम्मान और अपनत्व के रिश्ते को भी मजबूत करता है। सैन्य अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधते हुए उपस्थित लोगों ने राष्ट्रसेवा के प्रति उनके समर्पण को नमन किया।महापौर ने सैन्य अधिकारियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय सेना के वीर जवानों का पराक्रम, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के इस आयोजन ने भाई-बहन के पारंपरिक स्नेह के साथ राष्ट्र और सैनिकों के बीच भावनात्मक संबंध को भी मजबूती प्रदान की।

झगड़े के दौरान युवक के पास से अवैध पिस्टल और चार कारतूस बरामद, गिरफ्तार

लखनऊ । गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस ने शहीद पथ के किनारे लड़ाई-झगड़ा कर रहे पांच लोगों में से एक युवक को अवैध पिस्टल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .32 बोर की एक अवैध पिस्टल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार थाना गोमतीनगर विस्तार की टीम 27 अगस्त की रात सेक्टर-1 में गश्त, वांछित अपराधियों की तलाश, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस टीम जनेश्वर गेट नंबर-7 पर मौजूद थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि शहीद पथ के किनारे सीएमएस तिराहे से पहले चार-पांच लोग आपस में लड़ाई-झगड़ा कर रहे हैं।सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां शहीद पथ के किनारे पांच व्यक्ति सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार सड़क पर खड़ी कर आपस में विवाद करते मिले। पुलिस ने सभी को रोककर उनके नाम-पते पूछे और तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक युवक के कब्जे से अवैध हथियार बरामद हुआ।पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान विवेक कुमार चौहान पुत्र राम करन चौहान, निवासी मकान नंबर 27, सदरपुर करौरा, थाना गोसाईगंज, लखनऊ, उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में हुई। उसके कब्जे से .32 बोर की एक अवैध पिस्टल, एक मैगजीन तथा चार जिंदा कारतूस बरामद हुए।पुलिस टीम ने मौके पर ही बरामदगी की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद उपनिरीक्षक उपेन्द्र गिरि की तहरीर के आधार पर थाना गोमतीनगर विस्तार में मुकदमा संख्या 155/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत विवेक कुमार चौहान के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।

भाजपा सरकार नहीं दुकान है, जेपीएनआईसी बेचने के पूरे प्रकरण की होगी जांचः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सरकारी संपत्तियों को निजी हाथों में बेचने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोकनायक जय प्रकाश नारायण को ही बेच दिया। भाजपा लोकनायक जय प्रकाश नारायण के काम, समाजवादी आंदोलन और उनके नाम पर बनी इमारत के लिए खलनायक है। भाजपा और उसके सुरंगों, अपंजीकृत तथा भूमिगत लोगों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से चिढ़ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का बड़ा इंजन बड़ी चीजें बेच रहा है और लखनऊ का छोटा इंजन उत्तर प्रदेश की छोटी चीजें बेच रहा है। भाजपा सरकार नहीं, दुकान है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने गोमतीनगर स्थित जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र को निजी हाथों में बेचे जाने को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह केंद्र समाजवादी सरकार में बनाया गया था और इसके निर्माण के पीछे लोकनायक जय प्रकाश नारायण के विचारों तथा समाजवादी आंदोलन की भावना थी। भाजपा सरकार ने इसे घोटाला करके बेच दिया। उन्होंने दावा किया कि इस पूरी प्रक्रिया में कई सौ करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि समय आने पर पूरे प्रकरण की जांच होगी और जेपीएनआईसी को बेचने में जिन अधिकारियों की भूमिका रही है, उनकी भी पूरी जांच कराई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कारोबारियों से मिली हुई है और सरकारी संपत्तियों को लगातार बेचा जा रहा है। उनका आरोप है कि भाजपा गरीबों की जेब से पैसा निकालकर अमीरों की तिजोरियां भरने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में बनाए गए किसान बाजार, शाने-अवध और जनेश्वर मिश्र पार्क के कुछ हिस्सों को भी निजी हाथों में दिया गया। अब जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र को भी बेच दिया गया है। उन्होंने जेपीएनआईसी के निर्माण की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि समाजवादी सरकार के समय जब इसका शिलान्यास हुआ था, तब नेताजी मुलायम सिंह यादव के साथ जॉर्ज फर्नांडीज, मोहन सिंह, बृजभूषण तिवारी सहित कई समाजवादी नेता मौजूद थे। समाजवादी नेताओं ने लोकनायक जय प्रकाश नारायण के विचारों और उनके सपनों के अनुरूप इस केंद्र की कल्पना की थी। जय प्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया और युवाओं को जागृत करने का काम किया। उनकी संपूर्ण क्रांति ने देश की राजनीति में व्यापक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अखिलेश यादव ने कहा कि जय प्रकाश नारायण के नाम पर जेपीएनआईसी जैसी सिग्नेचर बिल्डिंग तैयार की गई थी। लगभग 18 से 20 एकड़ क्षेत्र में बने इस केंद्र में जनता की सुविधा और विभिन्न गतिविधियों के लिए बड़ी संख्या में सुविधाएं विकसित की गई थीं। इसमें कमरे, हर मौसम के अनुकूल गर्म स्वीमिंग पूल, सभागार, दो हजार से अधिक लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन सेंटर, बड़ा हॉल, बैडमिंटन, टेनिस और स्क्वैश कोर्ट, जिम तथा रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं।

बीबीएयू के 11वें दीक्षांत समारोह की रिहर्सल आयोजित, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के 11वें दीक्षांत समारोह-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षांत समारोह की रिहर्सल आयोजित की गई। रिहर्सल की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। उन्होंने समारोह से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कार्यक्रम को सफल और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।रिहर्सल के दौरान दीक्षांत समारोह में अपनाई जाने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ इसमें प्रतिभाग किया। इस दौरान विद्यार्थियों के प्रवेश एवं निकास, बैठने की व्यवस्था, मंचीय कार्यक्रम, उपाधि एवं पदक वितरण, अनुशासन, प्रोटोकॉल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।विश्वविद्यालय का 11वां दीक्षांत समारोह 29 अगस्त 2026 को आयोजित होगा। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह दीक्षांत समारोह विशेष रूप से वर्ष 2023, 2024, 2025 एवं 2026 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जा रहा है।रिहर्सल के दौरान कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल, कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह एवं सीओई प्रो. विक्रम सिंह यादव ने विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। विद्यार्थियों को निर्धारित स्थान पर बैठने, अनुशासित तरीके से मंच तक पहुंचने, उपाधि एवं पदक प्राप्त करने तथा निर्धारित मार्ग से वापस अपने स्थान पर आने की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। मंच संचालन और समारोह के विभिन्न चरणों के बीच समन्वय को भी परखा गया।कुलपति ने संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन टीमों को निर्देश दिए कि समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों, अतिथियों और अन्य प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं निर्धारित प्रोटोकॉल और समय-सीमा के अनुरूप सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।दीक्षांत समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उपाधियां प्रदान की जाएंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं अन्य सम्मान से भी नवाजा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन समारोह की गरिमा और भव्यता को ध्यान में रखते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है।विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य है कि बीबीएयू का 11वां दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का गौरवपूर्ण उत्सव बनने के साथ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और गरिमा को भी प्रदर्शित करे।

ग्रामीण महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यूपीआरएलएम के इन्क्यूबेशन कार्यक्रम को केंद्र की मंजूरी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लखपति दीदी' के संकल्प को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल को बड़ी सफलता मिली है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा तैयार इन्क्यूबेशन कार्यक्रम को भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मंजूरी प्रदान कर दी है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस कार्यक्रम से प्रदेश की ग्रामीण महिला उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ के एंटरप्राइज इन्क्यूबेशन सेंटर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का सहयोग ग्रामीण महिला उद्यमियों को विशेषज्ञता, व्यावसायिक अनुशासन और बाजार की समझ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उन्होंने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को महिला उद्यमिता के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसे प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर से करीब 150 महिला उद्यमों को आईआईएम लखनऊ द्वारा 18 महीने तक संरचित इन्क्यूबेशन सहयोग प्रदान किया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले महिला उद्यमों को अनुदान के साथ शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इससे ग्रामीण महिलाओं को अपने कौशल और उत्पादों को व्यावसायिक अवसरों में बदलने में मदद मिलेगी।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि इच्छुक महिला उद्यमी अपने निकटतम ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई, ग्राम संगठन या क्लस्टर स्तरीय संघ से संपर्क कर आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाइन माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।चयनित उद्यमों को जिला स्तर पर 'मॉडल एंटरप्राइज' के रूप में विकसित किया जाएगा। ये उद्यम आसपास के हजारों अन्य महिला समूहों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है।

बीबीएयू की दीवार से रेलिंग चोरी कर ऑटो में ले जाते आरोपी को रंगेहाथ पकड़ा, गिरफ्तार

लखनऊ। आशियाना थाना पुलिस ने बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की दीवार पर लगी रेलिंग चोरी कर ऑटो रिक्शा में लादकर ले जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी को विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सुरक्षा पर्यवेक्षक ने चोरी का सामान ले जाते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया था और उसे पुलिस के सुपुर्द किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई रेलिंग और घटना में प्रयुक्त ऑटो रिक्शा बरामद किया है।पुलिस के अनुसार बीबीएयू विश्वविद्यालय के वरिष्ठ सुरक्षा पर्यवेक्षक विजय बहादुर सिंह ने 26 अगस्त की रात करीब 11:30 बजे एक व्यक्ति को विश्वविद्यालय की दीवार पर लगी रेलिंग चोरी कर ऑटो रिक्शा में लादकर ले जाते हुए पकड़ लिया। उन्होंने आरोपी को मौके से पकड़कर थाना आशियाना पुलिस के सुपुर्द किया और घटना के संबंध में लिखित तहरीर दी।तहरीर के आधार पर थाना आशियाना में मुकदमा संख्या 221/2026, धारा 303(1)/317(2) बीएनएस के तहत शैलेन्द्र प्रताप पुत्र महेन्द्र प्रताप, निवासी रजनीखंड, शारदा नगर, लखनऊ, उम्र करीब 55 वर्ष के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अग्रचारी यादव द्वारा की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने रक्षाबंधन पर्व की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश एवं देशवासियों को पावन पर्व रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में राज्यपाल ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच प्रेम, स्नेह, विश्वास और आपसी समर्पण का पवित्र पर्व है। यह पर्व पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ परस्पर सम्मान, सहयोग और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान और पारिवारिक मूल्यों की सुदृढ़ परंपरा का प्रतीक है। यह अवसर हमें महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के प्रति अपने संकल्प को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव की भावना को और मजबूत करते हुए प्रदेश के विकास में सहभागिता का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इटौंजा में महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। थाना इटौंजा क्षेत्र के ग्राम अहमदपुर खेड़ा में गुरुवार सुबह एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान कलावती पत्नी कल्लू, उम्र करीब 45 वर्ष, निवासी ग्राम अहमदपुर खेड़ा, थाना इटौंजा, लखनऊ के रूप में हुई है। बताया गया कि महिला ने अपने घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जानकारी जुटा रही है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

पेट्रोल भरवाने के बाद भुगतान से किया इनकार

कर्मचारियों से मारपीट और गाली-गलौज करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ । सरोजनीनगर थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज करने और पेट्रोल का भुगतान किए बिना विवाद करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी बरामद किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।पुलिस के अनुसार पुलिस आयुक्त लखनऊ तरुण गाबा एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।मामला कानपुर रोड स्थित अश्विन ऊर्जा एचपी पेट्रोल पंप से जुड़ा है। पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक 23 अगस्त 2026 को स्कॉर्पियो सवार तीन अज्ञात लोग और उनके कुछ साथी पेट्रोल पंप पर पहुंचे थे। वाहन में पेट्रोल भरवाने के बाद जब कर्मचारियों ने भुगतान के लिए कहा तो आरोपियों ने कथित रूप से भुगतान करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पेट्रोल पंप कर्मचारियों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से चले गए।पेट्रोल पंप के मैनेजर चन्द्रमणि पुत्र योगेन्द्र कुंवर ने 27 अगस्त को थाना सरोजनीनगर में लिखित तहरीर देकर पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 329/26 दर्ज किया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 115(2), 352 एवं 351(3) के तहत स्कॉर्पियो सवार तीन लोगों तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटना के शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को सक्रिय किया। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की पड़ताल करने के साथ तकनीकी और मैनुअल माध्यमों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद ली। जांच के दौरान पुलिस को अभियुक्त के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके आधार पर अर्जुनगंज निवासी इशांत सिंह सेंगर पुत्र सिरीस कुमार सेंगर को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र करीब 30 वर्ष है। उसे 27 अगस्त को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।जांच के दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन को भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद वाहन घटना में इस्तेमाल किया गया था। वाहन की जांच तथा मामले से जुड़े अन्य तथ्यों को भी विवेचना में शामिल किया जा रहा है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके विरुद्ध थाना सरोजनीनगर में मुकदमा संख्या 186/26 दर्ज है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 127(2), 351(3) एवं 352 के तहत अभियोग पंजीकृत है।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।